

मसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- क्रष्ट 3-- उपक्र (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (fi)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 188]

नई विल्ली, वृहस्पतिवार, मई 21, 1970/वैशाख 31, 1892

No. 188]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 21, 1970/VAISAKHA 31, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st May 1970

S.O. 1878.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy to the public in the State of Tamil Nadu or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply [not being any such service falling under sub-clause (viii) of clause (a) aforesaid would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. 17(24)/70-EL_II.]

सिचाई धौर विद्युत मंत्रालय

ग्रधिसू चना

नई दिल्ली, 21 मई, 1970

का॰ भा॰ 1878:--भावश्यक सेवा भनुरक्षण मिवित्यम, 1968 (1968 का 59) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ix) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, जिसकी यह राय है कि तमिलनाडु राज्य में जनता को विद्युत शक्ति की आपूर्ति से या ऐसी भापूर्ति के प्रयोजनार्य विद्युत शक्ति के उत्पादन, भंडारकरण या संचरण से सम्बन्धित ऐसी किसी सेवा में, जो उक्त भिव्य नियम के खण्ड (क) के उपखंड (viii) के भिर्धान भाने वाली सेवान हों, हड़नालों के परिणामस्वरूप समुदाय को गम्भीर कठिनाई उत्पन हो जाएगी, उक्त श्रिधिनियम के प्रयोज-नार्थ हर ऐसी सेवा को, एनदद्वारा श्रावण्यक सेवा घोषित करती है ।

[सं० 17(24)/70-बि० दो०]

ORDER

New Delhi, the 21st May 1970

S.O. 1879.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Services Maintenince Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government hereby prohibits strikes in any service in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, which has been declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power. S. O. 1878 dated the 21st May, 1970, to be an essential service for the purposes of the said Act or which falls under sub-clause (viii) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the said Act.

[No. EL. II. 17(24)/70]

By order and in the name of the President. V. V. CHARI. Secv

ध्यादेश

नई दिली, 21 मई, 1970

'ता० भ्रा'० 18 79:--यतः केन्द्रीय सरकाण का यह समाधान हो गया है कि जन हित मे निम्नलिखित श्रावेश बनाना श्रावश्यक है :

भतः अब, आसम्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1969 (1969 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष सम्बन्धों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्द्वारा ्मिलनाडु राज्य मे ऐसी किसी मेवा में हडतालों का प्रतिषेध करती हैं जो जनता को विद्युत शक्ति की आपूर्ति में या ऐसी आपूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत शक्ति उत्पादन, भंडारकरण या सचरण में सम्बधित हैं और जो भारत रकार के सिचाई और विद्युत मंत्रालय की अधिसूचना, सं० का० आ० 1878, तारीख 21 मई, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए धावण्यक सेवा घोषित की जा चुकी हैं या जो उक्त अधिनियम की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (क) के उ खंड (एां 1) के अधी आती हैं।

[सख्या बि० दो०-17(24)/70] राष्ट्रपति के नाम मे श्रौर श्रादेश से

वी० वी० चारि, सचिव ।